

U.G. 1st Semester Examination - 2023

SANSKRIT

[Skill Enhancement Course (SEC)]

Course Code : SANS-SEC-T-01

[NEP-2020]

Full Marks : 35

Time : 1½ Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their
own words as far as practicable.*

1. यथेच्छं पञ्चप्रश्नानानामुत्तराणि संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च प्रदीयन्ताम्:- 1×5=5
 - i) सन्धिः क्रियताम् - बधू + उक्तिः
 - ii) सन्धिविच्छेदः क्रियताम् - अत्याश्चर्यम्
 - iii) परिनिष्ठितरूपं दीयताम् - नर-शब्दस्य पष्ठी बहुवचनम्
 - iv) परिनिष्ठितरूपं दीयताम् - ✓कृ-धातोः लट् उत्तमपुरुषे बहुवचनम्
 - v) कारकविभक्तिं निर्णयिताम् - बालकः चन्द्र पश्यति
 - vi) पञ्चमीविभक्तिः कस्मिन् कारके भवति?
 - vii) परिनिष्ठितरूपं निर्णयिताम् - आ-✓गम् + ल्यप्
 - viii) कृत्यप्रत्ययानां नामानि लिख्यन्ताम्।
2. Answer any **two** of the following questions either in Bengali Scripts or in Devanāgarī Script:
বাংলা অথবা দেবনাগরীতে নিম্নলিখিত যে-কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও : 5×2=10
 - a) Account for the case-ending in any **five** of the following underlined words: 1×5=5
 - i) गोपः गां दुग्धं दोग्धि।
 - ii) बालकः मोदकं खादति।
 - iii) स कर्णेन शृणोति।
 - iv) राजा दरिद्राय धनं ददाति।

[Turn over]

- v) वृक्षात् फलं पतति।
vi) मम गृहम्।
vii) मुनिः वने वसति।
- b) Frame a simple sentence in Sanskrit with the help of *avyaya* (अव्यय) any **five** : $1 \times 5 = 5$
अद्य, तत्र, अधुना, कदा, निकषा, पुरतः, अन्तरा
- c) Substitute single words for any **five** of the following: $1 \times 5 = 5$
i) पुत्रमिव आचरति
ii) तत् परिमाणमस्य
iii) शब्दं करोति
iv) पुनः पुनः नृत्यति
v) उदकं पातुम् इच्छति
vi) शवानां शयनम्
vii) कण्ठस्य समीपे
- d) Give the resultant forms (any **five**) : $1 \times 5 = 5$
i) ✓धाव् + शत्
ii) ✓कृ + शानच्
iii) ✓दृश् + क्त्वा
iv) अधि-✓इ + ल्यप्
v) ✓खाद् + तुमुन्
vi) ✓कृ + तव्य
vii) ✓ग्रह् + अनीय

3. Answer any **two** of the following questions:

निम्नलिखित से-कोन दूटि प्रश्नर उत्तर दाउ : $10 \times 2 = 20$

- a) Re-write the following passage after making *sandhis* in proper places: 10
अस्ति कल्याणकटके भैरवो नाम व्याधः। स च+एकदा पापबुद्धिर्लुब्धो भ्राम्यन् विन्ध्याटवीमध्यं गतः। तेन तत्र व्यापादितं मृगम्+आदाय गच्छता घोर+आकृतिः शूकरो दृष्टः। ततस्तेन मृगं

भूमौ निधाय शूकरः शरेण+आहतः। शूकरेण+अपि घोरगर्जनं कुर्वाणेन स व्याधो हतश्छिन्नदुम इव पपात।

- b) Read the following passage and answer the questions in Sanskrit in Devanagari script:

$$2\frac{1}{2} \times 4 = 10$$

अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती। तमवलोक्य सर्वे शृगालाश्चिन्तयन्ति स्म - यद्ययं केनाप्युपायेन म्रियते तदास्माकमेतदेहेन मासचतुष्टयस्य भोजनं भविष्यति। तत्रैकेन वृद्धशृगालेन प्रतिज्ञातम् - मया बुद्धिप्रभावादस्य मरणं साधयितव्यम्। अनन्तरं स वज्रकः कर्पूरतिलकसमीपं गत्वा साष्टङ्गपातं प्रणम्योवाच - देव दृष्टिप्रसादं कुरु। हस्ती ब्रूते - कस्त्वम्? कुत समायातः? सोऽवदत् - जम्बुकोऽहम्।

- i) कस्य मरणविषये के आलोचयन्ति स्म?
ii) कस्य देहेन केषां कीदृशं भोजनं भविष्यति?
iii) कः केन प्रकारेण कस्य मरणं साधयितुमैच्छत्?
iv) अत्र पाठ्यांशे 'वज्रकः' कः? जम्बुकः कुत्रासीत्?

- c) Read the following passage and answer the questions in Sanskrit in Devanagari script:

$$2 \times 5 = 10$$

आपोदधौम्यस्य ऋषेः उपमन्युर्नान्यतमः कश्चन शिष्यः आसीत्। तज्ज्योपाध्यायः 'वत्स! उपमन्यो! गा रक्षस्व' इति प्रेषयामास। उपाध्यायवचनात् स चाहनि गाः रक्षित्वा दिवसक्षये गुरुगृहमागम्य तत्रभवन्तं नमश्चक्रे। तमुपाध्यायः पीवानं दृष्ट्वा उवाच - 'वत्स! केन वृत्तिं कल्पयसि? स प्रत्युवाच - 'भोः! भैक्ष्येण वृत्तिं कल्पयामीति।' मय्यनिवेध्य भैक्ष्यं नोपयोक्तव्यमिति उपाध्यायः प्रत्युवाच। स तथेत्युक्तो भैक्ष्यं चरित्वोपाध्यायाय न्यवेदयत् ततः आरभ्योपाध्यायः सर्वं भैक्ष्यमगृह्णात्। तथापि पुनः उपमन्युं पीवानमेव दृष्ट्वा गुरुः उवाच - सर्वमशेषतस्ते भैक्ष्यं गृह्णामि, केनेदानीं वृत्तिं कल्पयसि? स उपाध्यायं प्रत्युवाच - भगवते निवेद्ध पूर्वम्, अपरञ्चरामि, तेन वृत्तिं कल्पयामीति। तदा तमुपाध्यायः प्रत्युवाच - नैषा न्याय्या गुरुवृत्तिः, अन्येषामपि भैक्षोपजीविनां वृत्तयुपरोधं

করোষি, ইত্যেবং বর্তমানো লুब्ধঃসি।

- i) গুরো: নাম কিম্? শিষ্যশ্চ ক:?
- ii) উপাধ্যায়: কান্ রক্ষিতুং কমাদিষ্টবান্?
- iii) ধেনুং পালয়িত্বা উপমন্যু: দিবসান্তে কিং কৃতবান্?
- iv) কাশীত্ উপমন্যো: দ্বিতীয়া বৃত্তি:?
- v) কিমুক্ত্বা উপাধ্যায়: উপমন্যুং তিরস্কৃতবান্?

d) Translate into Sanskrit in Devanagari script as directed (any five) : $2 \times 5 = 10$

- i) The sage was worshipped by the king. (Use क्त)

ঋষি রাজার দ্বারা পূজিত হয়েছিলেন।

- ii) Bhima defeated the Kauravās in the great war of Kurukṣetra . (Use क्तवत्)

কুরুক্ষেত্রের যুদ্ধে ভীম কৌরবদের পরাজিত করেছিলেন।

- iii) The order of the teacher should not be disobeyed. (Use अनीयर)

শিক্ষকদের আদেশ অমান্য করা উচিত নয়।

- iv) After going home, I saw a poor boy. (Use ल्यप्)

বাড়ি গিয়ে আমি এক দরিদ্র বালককে দেখেছিলাম।

- v) The king is able to fight. (Use तुमुन्)

রাজা যুদ্ধ করতে সমর্থ।

- vi) Wicked boys quarrel while reading. (Use शतृ)

দুষ্ট বালকেরা পড়বার সময় ঝগড়া করে।

- vii) A lady feels pleasure while getting ornaments (Use शानच्)

মহিলাটি গয়না পেয়ে আনন্দিত হল।